

مى ۋرلانى مۇرۇللى مۇسب

वरिसत साफ्टवेयर से प्राप्त सम्पूर्ण रपिर्ट। सम्पूर्ण रपिर्ट तीन भागों में है और इसे पूर्ण स्वरूप में देखा जाना चाहिये।

पहला चरण- (आपके आँकड़े और व्यक्ति-वार रपिर्ट):

तबस्सुम मय्यत द्वारा छोड़े गये जायदाद का बंटवारा

दिये गये आंकड़े:

कुल जायदाद = 18600

तजहीज़-तकफ़ीन का खर्च = 1000

करज़ = 5000

वसीयत = 2600

कुल तरका = 10000

तरका के दावेदार:

बीवियाँ = 1

माँ = 1

हक़ीक़ी-बहन = 1

बंटवारा इस तरह होगा:

(3). हक़ीक़ी-बहन के हस्से

इस मसले में मय्यत ने कोई बेटा, पोता, पर-पोता, बाप, दादा, पर-दादा, बेटियाँ, नीचे दर्जे की बेटियाँ या हक़ीक़ी-भाई नहीं छोड़े हैं:

मुन्दरज़ा बाला वारसियों की ग़ैर-मौजूदगी में हक़ीक़ी-बहन कुरानी-हक़दार बन कर हस्सा लेंगी।

अगर हक़ीक़ी-बहन एक है तो वह कुरानी-हक़दार बन कर तरका में आधा (1/2) लेगी और अगर एक से ज़्यादा हैं तो दो-तहिाई (2/3) हस्सा लेंगी:

चूँकि सिर्फ़ एक हक़ीक़ी बहन है, इसलिये उसका हस्सा होगा:

5000 (1/2)

(2). माँ के हस्से

इस मसले में मय्यत ने कोई वंशज उत्तराधिकारी नहीं छोड़ा है एवं मौजूद भाई-बहन मलि कर या तो सिर्फ़ एक हैं या नहीं (शून्य) हैं, परन्तु मय्यत की बीवी (या शौहर, जैसा भी केस हो) मौजूद है एवं वालदि मौजूद नहीं है।

बयान किये हालात में मय्यत के माँ का हस्सा कुल तरका का एक तहिाई (1/3) होगा यानी

3333 (1/3)

(1). शौहर के हस्से

इस मसले में चूँकि मय्यत का कोई भी वंशज नहीं है अतः तरका में शौहर को आधा हस्सा (1/2) मलिगा यानी

5000 (1/2)

बंटवारे का सारांश:

बीवियाँ = 1 (5000)- हसिसेदार (1/2)

माँ = 1 (3333)- हसिसेदार (1/3)

हकीकी-बहन = 1 (5000)- हसिसेदार (1/2)

नोट: सरिफ़ हक़दार वारसि को ही बचा हुआ अवशष्टि तरका का हसिसा मलिगा ।

कुल बांटा गया = 13333

बचा हुआ (अवशष्टि) = -3333

औल वधि लागू करें

दूसरा चरण- (असबात [अवशष्टि]):

दिये गये हालात में या तो कोई असबा (अवशष्टि) नहीं मलि या अवशष्टि (असबात) शून्य है। असबात (अवशष्टि) की ग़ैर मौजूदगी में बचा हुआ तरका औल या रद्द वधि द्वारा कुरानी हक़दारों के हसिसों के अनुपात में बांट दिया जायेगा। यहाँ औल या रद्द वधि शौहर और बीवी के हसिसों में नहीं लगाया जायेगा। अगर शौहर और बीवी ही सरिफ़ हसिसेदार हैं तो बचा हुआ तरका ज़वील-अरहाम के हसिसे में चला जायेगा।

तीसरा चरण- (औल/ रद्द):

पहले ब्रेकेट के अन्दर दखाए गये नम्बर वे ज़निदा कुरानी-वारसि (ज़वील फ़रज़) हैं जो मय्यत ने छोड़े हैं। तबस्सुमा मय्यत द्वारा छोड़े गये कुल तरका का सरिफ़ कुरानी हसिसेदारों (ज़वील फ़रज़) के बीच का बंटवारा नीचे दखाया गया है। चूँकि कोई असबा (अवशष्टि) मौजूद नहीं है, इसलिये औल वधि लगायी गयी है। दूसरे ब्रेकेट के अन्दर दखाए गये नम्बर औल वधि लगाने के पहले के हसिसे हैं, जबकि तीसरे ब्रेकेट में औल लगाने के बाद हसिसे को इकाई (युनटि) में दखाया गया है। मय्यत के कुरानी हसिसेदारों (ज़वील फ़रज़) के बीच कुल तरका का बंटवारा इस तरह होगा:

मय्यत का कुल तरका = 10000

कुरानी-हसिसेदार (ज़वील फ़रज़)

शौहर (1) = 3750 (5000) (3/8)

माँ (1) = 2500 (3333) (2/8)

हकीकी-बहन (1) = 3750 (5000) (3/8)

कुल कुरानी-हसिसा = 10000 (13333)

अवशष्टि (बचा हुआ) = 0 (-3333)

© यह रिपोर्ट तैयार हुआ सोफ़ेक्सइन्डिया के वरिसत सोफ़्टवेयर से आज 30/00/2015, 11:00:56

वरिसत हनिदी सोफ़्टवेयर का उर्दू वर्सन हमारे वेबसाइट www.sofexindia.com से फ़्री डाउनलोड करें।